लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ब्रह्माकुमारीज़ के 'सकारात्मक परिवर्तन वर्ष' का राष्ट्रीय स्तर पर किया शुभारंभ

व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण के साथ विश्व निर्माण का कार्य कर रही है ब्रह्माकुमारी संस्था : ओम बिरला

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा स्थानीय इन्दिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में आयोजित एक विशाल सार्वजनिक कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि पिछले आठ दशक से ब्रह्माकुमारीज़ संस्था व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण, राष्ट्र निर्माण से विश्व निर्माण का कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि इस सकारात्मक परिवर्तन वर्ष में यह विश्व व्यापी संस्थान राजयोग शिक्षा के माध्यम से लोगों के अंदर नयी सकारात्मक ऊर्जा, सकारात्मक चेतना तथा सकारात्मक प्रेरणा विकसित करेगा। उन्होंने आगे कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के भाई-बहनों के 'स्व-परिवर्तन से विश्व परिवर्तन' वाला सिद्धांत शीघ्र ही साकार व सार्थक हो सकता है, अगर जनता इसे आचरण में लाए तो। ब्रह्माकुमारीज़ के अति. महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने बताया कि हमारे पूर्वजों ने स्लोगन दिया है दया धर्म का मूल है। इसलिए परमपिता को दयालु, कृपालु व क्षमा करने वाला कहते, जो कि सभी कर्म विधान से ऊपर है। उन्होंने कहा कि परमात्मा की संतान होने के नाते उनके गुणों को जैसे कि दया, प्रेम, शांति, आनंद, सहयोग आदि को अपने में लाने से सकारात्मक परिवर्तन संभव होगा। टाइम्स ऑफ इंडिया की सह संपादक तथा

इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में योग दिवस पर हज़ारों लोगों के मध्य महानुभावों ने रखे अपने विचार

स्पीकिंग ट्री की पूर्व मुख्य संपादक नारायणी गणेशन ने व्यक्तिगत आंतरिक परिवर्तन जिससे सामूहिक परिवर्तन संभव होगा, जीवन में दया और करुणा के समावेश से समाज की अद्भुत अलौकिक सेवा होगी आदि सकारात्मक परिवर्तन के लिए 5 सूत्र प्रस्तुत किये। इसके लिए उन्होंने राजयोग अभ्यास को अपनाने पर ज़ोर दिया। गुरुग्राम पटौदी से आये महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज ने कहा कि धरती पर स्वर्ग कहीं है तो माउण्ट आबू में, जहां शिव परमात्मा अवतरित हुए हैं। एक बार आबू के बाबू(शिव परमात्मा) के काबू में आ जाओ तो जीवन से नकारात्मकता समाप्त हो जायेगी। ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि सकारात्मक परिवर्तन के लिए ज़रूरी है कि जैसा विश्व हम चाहते हैं वैसा ही हम कर्म करें। सुप्रसिद्ध प्रेरक वक्ता ब्र.कु. शिवानी बहन ने प्रेरणा दी कि संसार परिवर्तन होगा व्यक्ति के संस्कार परिवर्तन से और संस्कार परिवर्तन का साधन है परमात्मा के साथ रूहानी योग व राजयोग।

इस अवसर पर 'भारत का प्राचीन योग' पैनल डिस्कशन में राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी, ब्र.कु. शुक्ला दीदी, ब्र.कु. गीता दीदी, ब्र.कु. पुष्पा दीदी आदि विभिन्न ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्रों की निदेशिका बहनों ने स्पष्ट किया कि योग-आत्मा का परमात्मा से सम्बंध है। इस योग को राजयोग कहा जाता है। मौके पर आयोजित सर्व धर्म संगोष्ठी में बहाई धर्म के ए.के. मर्चेंट, यहूदी धर्म के ई.आई. मालेकर, इस्लाम धर्म के जनाब मो. सलीम इंजीनियर एवं ईसाई धर्म के फादर फेलिक्स जोन्स ने अपने विचार रखे व विश्व शांति व सद्भावना के लिए शुभकामनाएं दी। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहित गुप्ता ने राजयोग के हीलिंग पावर पर अनुभव साझा किए।

वार्षिक थीम ' 2023 ईयर ऑफ पॉज़िटिव चेंज' के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

'सकारात्मक, सार्थक एवं सशक्त जीवन'

बैतूल-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के वार्षिक थीम '2023 ईयर ऑफ पॉज़िटिव चेंज' के अंतर्गत संस्थान के भाग्य विधाता भवन में 'सकारात्मक, सार्थक एवं सशक्त जीवन' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 11 देशों से आये जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर श्रीलंका के न्याय मंत्री विजयदासा राजापक्षे ने ब्रह्माकुमारीज़ प्रांगण में आते ही शांति, प्रेम और सद्भाव की अनुभूति होने की बात कही और इस संस्थान में आना अपना सौभाग्य बताया। प्रसिद्ध टीवी अभिनेता गगन मलिक ने कहा कि आज विश्व में दया और करुणा की बात हम करते हैं, लेकिन वो ब्रह्माकुमारीज़ में आज मुझे दिखाई दे रही है और यह अनुभूति सदा काल मेरे साथ रहेगी। थाईलैंड से आये बुद्धिस्ट संत पी. पिनियापांग ने कहा कि महिला शक्ति द्वारा संचालित यह संस्थान निकट भविष्य में

11 देशों के जनप्रतिनिधि पहुंचे ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में

श्रीलंका के न्याय मंत्री, प्रसिद्ध टीवी अभिनेता एवं बुद्धिस्ट संत रहे मुख्य रूप से उपस्थित

आध्यात्मिक जगत में सबसे ऊँचा स्थान बनाएगा तथा इनके द्वारा की जा रही सेवाएं निश्चित ही संसार में एक सकारात्मक परिवर्तन लाएंगी। श्रीलंका से आये प्रोड्यूसर एवं डायरेक्टर नवीन गुणारत्ने ने कहा कि नारी शक्ति निश्चित ही एक नए समाज की स्थापना कर सकती है और ब्रह्माकुमारीज़ इस बात की मिसाल है। मद्रास परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निदेशक एवं राजयोगी ब्र.कु. सुधीर शेल्के ने अपने आध्यात्मिक जीवन के अनुभव को साझा किया। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मंजू बहन ने मेहमानों का स्वागत किया। भोपाल से आईं ब्र.कु. पूनम बहन ने संचालन करते हुए राजयोग द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई। ब्र.कु. सुनीता बहन ने सभी अतिथियों को संस्थान के मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया। इस मौके पर डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे, थाईलैंड से आये बुद्धिस्ट संत पी.एस वॉटीवांगसो एवं अन्य संतजनों सहित ब्र.कु. सुनीता बहन,सारणी आदि उपस्थित रहे।

'राजयोग द्वारा स्वस्थ एवं सुखी समाज' विषय पर सभी हुए एकमत

उज्जैन-वेद नगर(म.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के शिव धाम सेवाकेन्द्र में 'मानवता' की थीम पर आयोजित 'राजयोग द्वारा स्वस्थ एवं सुखी समाज' कार्यक्रम में महामंडलेश्वर बाल योगी उमेश नाथ जी ने कहा कि सभी को सारे योग व प्राणायाम करना तो संभव नहीं लेकिन कम से कम विषम परिस्थितियों में स्वास्थ्य के साथ-साथ मन को शांति प्राप्त कराने वाले योग का अभ्यास अवश्य करना चाहिए। राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में सिखाये जाने वाले योग में यही सिखाया जाता है कि तन के साथ-साथ आत्मबल कैसे बढ़ाएं, स्व चिंतन, सकारात्मक चिंतन कैसे करें और नकारात्मकता को कैसे खत्म करें। रूपांतरण संस्था के योग गुरु ने कहा कि भक्ति योग, ज्ञान योग, कर्म योग के समायोजन को ही राजयोग कहा जाता है। अतः इसका अभ्यास सभी को करना चाहिए। डॉ. सोनी,पतंजलि योग ने कहा कि योग माना तन से मन और मन से आत्मा का मिलन फिर आत्मा से परमात्मा का मिलन, यही योग की युक्ति है, अष्टांग योग में आठ अंग बताते हैं। बिंदु सिंह पवार,यूनिवर्सिटी योगा प्रोफेसर ने कहा कि हम अपने जीवन में सारे आसन-प्राणायाम तो शामिल नहीं कर सकते लेकिन छोटी-छोटी चीज़ें हैं जिस पर ध्यान दें तो तन और मन दोनों स्वस्थ रह सकता है। जैसे जब हम बैठते हैं तो अपनी रीढ़ की हड्डी को सीधा करके बैठें। इसके साथ ही उन्होंने अनेक प्राणायाम को सही तरीके से करने की जानकारी दी। शिवोहम योगा संस्थान से मंजुला व्यास ने कहा कि योग ईश्वर तक पहुंचने का रास्ता है। ब्रह्माकुमारी संस्था यही कार्य कर रही है। एलआईसी के चीफ मैनेजर दीपक विजयवर्गीय ने भी अपने विचार रखे। ब्र.कु. मंजू दीदी ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया।

इंटरनेशनल योगा प्लेयर कुमारी अदिति ने आर्टिस्टिक योग की प्रस्तुति दी...। शैलेंद्र भट्ट ने संगीत के माध्यम से योग करने के लिए सभी का आह्वान किया...।